### भोपाल में गणतंत्र समारोह

### राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर द्वारा ध्वजारोहण

# नगरीय निकायों और पंचायत चुनावों से प्रजातंत्र को मजबूत आधार मिला है....

गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजधानी में लाल परेड मैदान पर आयोजित राज्यस्तरीय समारोह में राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड के मार्चपास्ट की सलामी ली। इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा प्रदेश के विकास को दर्शाने वाली झांकियाँ निकाली गईं। शिक्षण संस्थाओं के विद्यार्थियों तथा लोक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

लाल परेड मैदान पर राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर की अगवानी पुलिस महानिदेशक श्री एस.के. राउत और विशेष सशस्त्र बल के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री सुरेन्द्र सिंह ने की। राष्ट्रीय ध्वज फहराने के बाद रामेश्वर ठाकुर ने पुलिस महानिदेशक श्री एस.के. राउत के साथ परेड का निरीक्षण किया। इसके बाद परेड ने मार्चपास्ट किया। इसमें 19 टुकड़ियाँ शामिल हुई। परेड का नेतृत्व भारतीय पुलिस सेवा के युवा अधिकारी श्री सचिन अतुलकर ने किया। परेड के टू आई सी राज्य पुलिस सेवा के अधिकारी श्री विजय डाबर थे।

परेड में शामिल 19 टुकड़ियों में सीआईएसएफ का नेतृत्च उप निरीक्षक बृजभान कुर्मी, विशेष सशस्त्र बल का नेतृत्व कम्पनी कमांडर योगेन्द्र सिंह सिसोदिया, जिला बल एवं रेल्वे पुलिस का नेतृत्व इंस्पेक्टर श्री अरविंद रघुवंशी, विसबल और जिला बल (महिला) का नेतृत्व उप निरीक्षक सरोज वर्मा, होम गार्डस (पुरुष) का नेतृत्व कंपनी कमांडर टी.आर. चौहान तथा महिला टुकड़ी का नेतृत्व

छाया : खलीक

कंपनी कमांडर गुलाब सिंह, जेल विभाग का नेतृत्व सहायक जेल अधीक्षक के.के. कोरी, वन विभाग का नेतृत्व वन रक्षक सुश्री एलिस माईकल तथा पूर्व सैनिकों की टुकड़ी का नेतृत्व श्री गजराज सिंह ने किया।

परेड में शामिल एनसीसी आर्मी ब्वाइज का नेतृत्व नागेन्द्र पटेल ने, गर्ल्स का नेतृत्व दिव्या तिवारी ने, एनसीसी नेवल विंग का

छाया : खलीक

नेतृत्व कादर खान ने, एनसीसी एयर विंग का नेतृत्व विकास लिखितकर ने, स्काउट का नेतृत्व नरेन्द्र गंगराड़े ने, गाईड का नेतृत्व पूजा यादव ने, पुलिस ब्वाइज का नेतृत्व सलमान अंसारी ने तथा स्पोर्ट्स ग्रुप का नेतृत्व बिट्टू शर्मा ने किया। परेड में पुलिस बैंड की टुकड़ी डीएसपी श्री के.बी. राणा, अश्वारोही दल की टुकड़ी प्लाटून कमांडर श्री बी.एस. चौहान और श्वान दल की टुकड़ी धन्नूलाल गर्ग के नेतृत्व में शामिल हुई।

राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने प्रदेशवासियों को 61वें गणतंत्र दिवस पर हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश में हाल ही में नगरीय निकायों तथा पंचायत चुनावों से प्रजातन्त्र को मजबूत आधार मिला है। पदाधिकारियों में आधी महिलाएं होने से इस बार नगरीय निकायों तथा पंचायतों का स्वरूप बदला हुआ है। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि स्थानीय निकायों में महिलाओं के लिए पचास प्रतिशत पद आरक्षित करने में मध्यप्रदेश अग्रणी रहा।

राज्यपाल श्री ठाकुर ने भोपाल के लाल परेड मैदान पर आयोजित मुख्य गणतंत्र दिवस समारोह में प्रदेशवासियों के नाम जारी संदेश में बताया कि प्रदेश के समग्र और सुनियोजित विकास के लिए सात प्राथमिकताएं निर्धारित की गई हैं। इनमें अधोसंरचना विकास, खेती को लाभ का धंधा बनाना, महिला सशक्तिकरण, निवेश वृद्धि, सुशासन, स्वास्थ्य और शिक्षा का विकास तथा बेहतर कानून व्यवस्था शामिल है। इन पर गहन मंथन कर ठोस कदम उठाये गए हैं, जिनके परिणाम आने लगे हैं। श्री ठाकुर ने बताया कि भारत के इस हृदय-स्थल के विभिन्न अंचलों में बसे लोगों में प्रदेश के चहुँमुखी विकास में योगदान देने की भावना जागृत करने के लिए सरकार ने 'आओ बनाएं अपना मध्यप्रदेश' की अभिनव शुरुआत की है। मुझे विश्वास है कि यह अभियान सभी के सहयोग से अवश्य सफल होगा।

विश्वव्यापी मंदी तथा प्रदेशव्यापी सूखे का जिक्र करते हुए राज्यपाल ने जानकारी दी कि इसके बावजूद मध्यप्रदेश की विकास दर में वृद्धि हुई है। आयोजना व्यय 2003-04 में 26.26 प्रतिशत था जो 2008-09 में बढ़कर 38.91 प्रतिशत हो गया। इस साल यह 40.97 हो जाएगा। वर्ष 2008-09 में हमने सकल घरेलू उत्पाद में 5.57 प्रतिशत वृद्धि दर हासिल की, जबकि वर्ष 2002-03 में यह दर ऋणात्मक थी। परिणामस्वरूप प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 1999-2000 की तुलना में वर्ष 2008-09 में 63 प्रतिशत से अधिक बढ़ी है। खेती को लाभ का धंधा बनाने की कोशिशों के बारे में उन्होंने बताया कि समय पर यथेष्ठ उर्वरक आपूर्ति, प्रमाणित बीज वितरण तथा कटाई पश्चात फसल प्रबंधन के साथ-साथ किसानों को विभिन्न रियायतें दी जा रही हैं। प्रदेश में सहकारी कृषि ऋणों की ब्याज दर वर्ष 2003-04 में 12 से 16 प्रतिशत थी जिसे वर्ष 2006-07 में घटाकर सात प्रतिशत और वर्ष 2007-08 में घटाकर पांच प्रतिशत किया गया। 73 कृषि उपज मण्डी समितियों को फल-सब्जी के लिये अधिसूचित किया गया है। वर्ष 2009-10 में दिसम्बर, 2009 तक मण्डियों में लगभग 128 लाख मीटरिक टन की आवक हुई। 228 मण्डी प्रांगणों में किसानों को पांच रुपये में भोजन देने की व्यवस्था की गयी है।

राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने इस अवसर पर कहा कि सड़कों को विकास की धमनी कहा जाता है। सरकार ने विगत छह वर्षों में लगभग 52 हजार किलोमीटर सड़कों का निर्माण और सुधार किया है। इस साल लगभग 11 हजार किलोमीटर सड़कें बनाई जा रही हैं। प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश पूरे देश में अव्वल रहा। सिंचाई सुविधा बढ़ाने के बारे में उन्होंने बताया कि इस वर्ष 1496 करोड़ रुपये का प्रावधान कर 90 हजार हैक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित करने का लक्ष्य रखा गया है। कुल 3750 करोड़ रुपये लागत की 16 मध्यम योजनाएं तथा 1254 लघु योजनाएं स्वीकृत की गयी हैं। इनसे लगभग पौने चार लाख हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित होगी। इसके अतिरिक्त नर्मदा घाटी परियोजनाओं में वर्ष 2008-09 में 50 हजार हैक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता निर्मित की जा चुकी है। श्री ठाकुर ने बताया कि प्रदेश के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली की अधिकाधिक आपूर्ति के लिए ठोस प्रयास किये गये हैं। प्रदेश में वर्ष 2002-03 की तुलना में वर्ष 2008-09 में बिजली उत्पादन क्षमता

में तीन हजार मेगावाट से अधिक बढ़ोतरी की गयी है। ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति में सुधार के लिये 471 फीडर्स विभाजन का कार्य किया गया है और आगामी चार वर्षों में यह काम पूरा कर दिया जायेगा। कृषक राहत योजना के अंतर्गत लगभग पांच लाख किसानों को 279 करोड़ रुपये की सहायता प्रदान की गई है। विद्युत नियामक आयोग ने बिजली की दरों में वृद्धि की है। किसानों को बढ़ी हुई बिजली दरों के बोझ से बचाने के लिये इस वर्ष लगभग 1300 करोड़ रुपये का अनुदान दिया जा रहा है।

राज्यपाल श्री ठाकुर ने कहा कि राज्य में राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत इस वर्ष लगभग 38 लाख ग्रामीण परिवारों को रोजगार उपलब्ध कराया गया और मजदूरी के रूप में उन्हें लगभग 1600 करोड़ रुपये वितरित किये गये। गांव-गांव में रोजगार के अवसर निर्मित हो रहे हैं। योजना के तहत इस वर्ष तीन लाख 24 हजार निर्माण कार्य प्रारम्भ किये गये, जिनमें से अब तक एक लाख 43 हजार कार्य पूर्ण किये जा चुके हैं। श्री ठाकुर ने बताया कि महिला और बाल विकास के बजट में पिछले वर्ष से 78 प्रतिशत की वृद्धि की गई। कुपोषण की दर 57 प्रतिशत से घटकर 48 प्रतिशत तथा गंभीर कुपोषण की दर 5.50 प्रतिशत से घटकर 0.58 प्रतिशत रह गयी है। प्रदेश में 9961 नयी आंगनवाड़ी तथा 9820 मिनी आंगनवाड़ी केन्द्र शुरू करने की कार्यवाही प्रचलित है। गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के लिए 200 पोषण पुनर्वास केन्द्र स्थापित किये गये हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के लिए यह गर्व की बात है कि लाड़ली लक्ष्मी योजना को देशव्यापी सराहना मिली है। अभी तक प्रदेश में पौने चार लाख बेटियां इससे लाभान्वित हुई हैं। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत एक लाख से अधिक गरीब कन्याओं का विवाह कराया गया है। श्री ठाकुर ने जानकारी दी कि महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के अवसर दिये जा रहे हैं। संविदा शाला शिक्षकों के 50 प्रतिशत पद महिलाओं के लिए आरक्षित किये गये हैं। सरकारी व्यय पर एक हजार महिलाओं को नर्सिंग का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रदेश में 600 स्टाफ नर्सों तथा एक हजार सहायक परिचारिकाओं की भर्ती की गयी। राज्यपाल ने बताया कि संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के फलस्वरूप अब 72 प्रतिशत प्रसव अस्पतालों में हो रहे हैं। वर्ष 2005 में यह दर 26 प्रतिशत थी। प्रदेश में शिशु मृत्यु दर 82 से घटकर 70 तथा मातृ मृत्यु दर 498 से घटकर 335 प्रति लाख हो गयी है। प्रदेश के सभी जिलों में नवजात शिशु गहन चिकित्सा इकाइयां स्थापित की जा रही हैं।

शिक्षा को मानव संसाधन विकास की आधारशिला निरूपित करते हुए राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने जानकारी दी कि बारहवीं कक्षा तक पाठ्यपुस्तकें निःशुल्क दी जा रही हैं। इस वर्ष कक्षा नवीं में प्रवेश लेने वाली दो लाख बालिकाओं को साइकिलों के लिए 2400 रुपये की दर से राशि दी गयी। नये स्कूल भवनों के निर्माण और सुधार का कार्य लगातार चल रहा है। राज्यपाल ने बताया कि श्रमिकों के हितों के संरक्षण के लिए भी सभी सम्भव कदम उठाये जा रहे हैं। दुर्घटना में मृत श्रमिकों को एक लाख रुपये के मुआवजे की व्यवस्था की गई है। श्रमिकों को देय वेतन और परिवर्तनशील महंगाई भत्ते में वृद्धि की गयी है। औद्योगिक दुर्घटनाओं की दर में अभूतपूर्व कमी आयी है। असंगठित क्षेत्र के श्रमिक परिवारों की शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के लिए प्रभावी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना से निवेश में हो रही वृद्धि का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2003 में निवेश के मामले में प्रदेश देश में दसवें स्थान पर था और अब छठवें पर है। प्रदेश सरकार की उद्योग हितैषी नीति के फलस्वरूप कुल 40 हजार करोड़ रुपए के निवेश की परियोजनाएं स्थल पर मूर्त रूप ले रही हैं। ग्यारह जिलों में औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने का काम प्रगति पर है। बीते पांच वर्षों में 89 वृहद उद्योगों तथा 87 हजार से अधिक लघु और अतिलघु उद्योगों की स्थापना हुई। इससे दो लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिला है।

राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने इस अवसर पर बताया कि प्रदेश में अनुसूचित जाति और जनजाति के परिवारों के समग्र विकास और संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया गया है। एक लाख से अधिक अनुसूचित

छाया : प्रहलाद कुमार

छाया : शिव कुमार

जनजाति और अन्य परम्परागत वनवासियों को अधिकार पत्र सौंप दिये गये हैं। उनकी भूमि को कृषि योग्य बनाने, कपिलधारा योजना के तहत कूप निर्माण करने और विद्युत पम्प देने की कार्यवाही की जा रही है। गरीब परिवारों को सस्ते दर पर गेहूं और चावल प्रदान करने के लिए मुख्यमंत्री अन्नपूर्णा योजना से 53 लाख परिवारों को लाभ हो रहा है। श्री ठाकुर ने युवा नीति का उल्लेख करते हुए बताया कि इस नीति में युवाओं के लिए रोजगार के नये अवसर निर्मित करने तथा उनकी ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने के लिए प्रयास

## 19 पुलिस अधिकारियों को राष्ट्रपति के पदक देने की घोषणा

मध्यप्रदेश पुलिस के उन्नीस अधिकारियों तथा जवानों को राष्ट्रपति के वीरता, विशिष्ट सेवा तथा सराहनीय सेवा पदकों से अलंकृत करने की घोषणा भारत सरकार व्दारा की गई है। जिन अधिकारियों को पदक से नवाजा जाएगा उनमें भारतीय पुलिस सेवा के छह अधिकारी शामिल हैं। सर्वाधिक प्रतिष्ठित वीरता पदक जबलपुर में पदस्थ नगर पुलिस अधीक्षक श्री रामेश्वर सिंह यादव को देने की घोषणा की गई है। मुख्यमंत्री के सचिव आईजी श्री सरबजीत सिंह तथा डीजीपी के मुख्य स्टाफ अधिकारी आईजी श्री बी.एम. कुमार को विशिष्ट सेवा पदक दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक श्री एस.के. राउत ने पदक पाने वाले सभी अधिकारियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी है।

सराहनीय सेवा के लिए राष्ट्रपति का पदक जिन अधिकारियों को देने की घोषणा की गई है उनमें मध्यप्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड में पदस्थ आईजी (वीएण्डएस) श्री राजेश चावला, चिल्ड्रन फिल्म सोसायटी मुम्बई में पदस्थ सीईओ (आईजी) श्री सुशोभन बनर्जी, आईजी अजाक श्री अशोक अवस्थी तथा 15वीं बटालियन के कमांडेन्ट वी.एन. पचोरी शामिल हैं। इनके अलावा एसटीएफ इंदौर के इंस्पेक्टर ए.एन. लिटोरिया, 15वीं बटालियन के सेक्शन कमांडर श्री वीरेन्द्र पाल सिंह, दूसरी बटालियन के प्रधान आरक्षक श्री लेख सिंह, 17वीं बटालियन के प्रधान आरक्षक श्री पीर खान, शिवपुरी के प्रधान आरक्षक श्री श्रीनिवास मिश्रा, लोकायुक्त सागर में पदस्थ प्रधान आरक्षक शमशेर बहादुर सिंह, सीआईडी के वरिष्ठ आरक्षक श्री लालता प्रसाद यादव, सागर के वरिष्ठ आरक्षक श्री इंद्रभान पाण्डे, 18वीं बटालियन के आरक्षक श्री यशवंत सिंह नेगी, छिंदवाड़ा के आरक्षक यशवंत कुमार डेहरिया, पुलिस मुख्यालय के सूबेदार (एम) श्री डी.पी. जुगादे तथा विशेष शाखा के सूबेदार (एम) श्री मोहन अवस्थी शामिल हैं।

किये गये हैं। प्रतिवर्ष 50 हजार युवाओं को रोजगार में स्थापित करने का लक्ष्य रखा गया है। नीति का उद्देश्य प्रदेश में ऐसा वातावरण निर्मित करना है, जिससे युवाओं की ऊर्जा का राज्य के विकास में बेहतर उपयोग हो। उन्होंने जानकारी दी कि सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभावी उपयोग कर कार्य विभागों में ई-निविदा की व्यवस्था लागू की जा चुकी है। एम.पी. ऑनलाइन के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न सेवायें घर बैठे या अपने निकट के सामान्य सेवा केन्द्र से प्राप्त हो रही हैं। चयनित विभागों की शिकायतों के निराकरण के लिए कॉल सेन्टर स्थापित किया गया है, जहां फोन लगाने वाले को पैसा नहीं लगता। स्टेट वाईड एरिया नेटवर्क से सम्भागीय मुख्यालयों के बाद अब सभी जिला एवं विकासखण्ड भी जुड़ जायेंगे।

राज्यपाल श्री रामेश्वर ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में कानून का राज स्थापित करने में सरकार सफल रही है। खनिज एवं नशीले पदार्थ के अवैध व्यापार तथा भू-माफिया पर अंकुश लगाया गया है। गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं की अवैधानिक गतिविधियों को सख्ती से रोककर वास्तविक सदस्यों को उनका हक दिलाया गया है। जमाखोरों तथा कालाबाजारियों के विरुद्ध सख्त कदम उठाये गये हैं। डकैती तथा नक्सलवाद की समस्या पर पूरा नियंत्रण किया गया है। राज्यपाल ने विकास में सक्रिय भागीदारी के लिये नागरिकों का आव्हान किया।

## झाँकियां और लोक नृत्यों की आकर्षक प्रस्तुति

भोपाल स्थित लाल परेड मैदान पर आयोजित राज्य स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह में विभिन्न 20 विभागों की विकास आधारित झाँकियां लोगों के आकर्षण का केन्द्र रहीं। ये झाँकियां प्रमुख रूप से उद्यानिकी फसलों के उत्पादन में आधुनिक तकनीक के प्रयोग, ग्लोबल वार्मिंग की वैश्विक समस्या के निदान में आदिवासी संस्कृति का योगदान, औद्योगिक विकास के अंतर्गत बीना रिफायनरी प्रोजेक्ट, संकल्प खेती लाभ का व्यवसाय, ग्रामीण स्तर पर खेल गतिविधियों को प्रोत्साहन, सिंचाई, बंदियों के समग्र विकास, जल से समृद्धि, पर्यटन, पशु चिकित्सा एवं पशुपालन विभाग की लोक कल्याणकारी योजनाओं, जवाहर बाल भवन की गतिविधियों, जलवायु परिवर्तन चुनौती और विकास, बेटी बचाओ अभियान, जलमणि कार्यक्रम, बाँस का महत्व, स्वावलम्बन एवं जनकल्याण में प्रौद्योगिकी के उपयोग विषयों पर आधारित थीं।

## लोक नृत्यों की प्रस्तुति

समारोह में स्कूली छात्र-छात्राओं, संस्कृति विभाग तथा खेल एवं युवक कल्याण विभाग के सहयोग से आदिवासी अंचल से आये कलाकारों तथा छात्र-छात्राओं ने लोक नृत्य एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। बुन्देलखण्ड का बधाई लोकनृत्य व नौरता लोकनृत्य, मालवा का मटकी लोकनृत्य, दुलिया जनजाति (डिण्डौरी जिला) का गुदुम बाजा नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति आये कलाकारों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं ने की। "अनेकता में एकता हिन्द की विशेषता" इस भावना से ओत-प्रोत "हमें इश्क है सरजमीं से" नृत्य की प्रस्तुति स्कालर्स होम पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं तथा खेल एवं युवक कल्याण विभाग के खिलाड़ियों द्वारा मलखम्ब का नयनाभिराम प्रदर्शन किया गया।

## परेड, झाँकियां एवं लोक नर्तक दल पुरस्कृत

समारोह में प्रदर्शित परेड में सशस्त्र बल में प्रथम स्थान म.प्र. विशेष सशस्त्र बल की टुकड़ी और असैन्य बल में एन.सी.सी. एयरविंग की टुकड़ी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। झाँकियों में जेल विभाग की झाँकी- 'बंदियों का समग्र विकास' को प्रथम, खेल एवं युवक कल्याण विभाग की झाँकी- 'परंपरागत खेलों को प्रोत्साहन' को द्वितीय और आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की झाँकी 'ग्लोबल वार्मिंग की वैश्विक समस्या- आदिवासी संस्कृति का योगदान' को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। सांस्कृतिक कार्यक्रमों (लोकनृत्यों में) स्कालर्स होम पब्लिक स्कूल की 'हमें इश्क है सरजमीं से' प्रस्तुति प्रथम एवं शासकीय कमला नेहरू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.टी. नगर, आदर्श उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.टी. नगर और शासकीय कस्तूरबा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, टी.टी. नगर, भोपाल के छात्र-छात्राओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तुत किये गये बधाई नृत्य की प्रस्तुति द्वितीय स्थान पर रही।

❖

छाया : खलीक